पाठ- 6 कीचड़ का काव्य

CBSE NCERT Class 9 : Chpater-6 स्पर्श भाग-1 हिंदी

पाठ का सारांश&लेखक परिचय

कीचड़ का काव्य

लेखक:- काका कालेलकर

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए–

1. रंग की शोभा ने क्या कर दिया?

उत्तर उत्तर दिशा में जमी लाल रंग की शोभा ने आज कमाल ही कर दिया।

2. बादल किसकी तरह हो गए थे?

उत्तर बादल श्वेत पूनी जैसे हो गए थे।

3. लोग किन-किन चीज़ों का वर्णन करते हैं?

उत्तर लोग आकाश, पृथ्वी तथा जलाशयों का वर्णन करते हैं।

4. कीचड़ से क्या होता है?

उत्तर कीचड़ से शरीर गंदा होता है तथा कपड़े मैले हो जाते हैं इसीलिए कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता।

5. कीचड़ जैसा रंग कौन लोग पसंद करते हैं?

उत्तर हम सब पुस्तकों के गत्तों, घर की दीवारों तथा कीमती कपड़ों के लिए कीचड़ जैसा रंग ही पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भी भट्ठी में पकाए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग पसंद है।

6. नदी के किनारे कीचड़ कब सुंदर दिखता है?

उत्तर नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर टुकड़े-टुकड़े हो जाता है तो वह अत्यंत सुंदर दिखता है।

7. कीचड़ कहाँ सुंदर लगता है?

उत्तर नदी के किनारे मीलों तक फैला हुआ समतल और चिकना कीचड़ सुंदर लगता है।

8. 'पंक' और 'पंकज' शब्द में क्या अंतर है?

उत्तर 'पंक' का अर्थ है कीचड़ तथा 'पंकज' का अर्थ है, कीचड़ से जन्म/उत्पन्न अर्थात 'कमल'।

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए–

1. कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति क्यों नहीं होती?

उत्तर कीचड़ से शरीर गंदा होता है तथा कपड़े मैले हो जाते हैं इसीलिए कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता। कोई भी यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि उसके शरीर पर कीचड़ उड़े और इसीलिए कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति नहीं होती।

2. ज़मीन ठोस होने पर उस पर किनके पदचिह्न अंकित होते हैं?

उत्तर जब ज्यादा सूख जाने पर कीचड़ रूपी ज़मीन ठोस हो जाती है तो उस पर गाय, भैंस, बैल, पाड़े, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न अंकित हो जाते हैं, जिसकी शोभा अलग ही होती है।

3. मनुष्य को क्या भान होता जिससे वह कीचड़ का तिरस्कार न करता?

उत्तर यदि प्रत्येक मनुष्य को यह भान होता कि हमारा अन्न कीचड़ से ही पैदा होता है, तो वह कभी भी कीचड़ का तिरस्कार न करता। परंतु कीचड़ को घृणास्पद बताते समय वह इस कटु सत्य को भूल जाता है।

4. पहाड़ लुप्त कर देनेवाले कीचड़ की क्या विशेषता है?

उत्तर गंगा अथवा सिंधु के किनारे यदि कीचड़ से तृप्ति न मिले तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए, जहाँ सर्वत्र सनातन कीचड़ ही कीचड़ देखने को मिलेगा। इस कीचड़ में हाथी नहीं बल्कि पहाड़ के पहाड़ डूब जाएँगे। वहाँ पर जहाँ तक भी दृष्टि जाती है, केवल कीचड़ ही देखने को मिलता है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए–

1. कीचड़ का रंग किन-किन लोगों को खुश करता है?

उत्तर कीचड़ का रंग बहुत सुंदर होता हैं। हमें पुस्तकों के गत्तों, घर की दीवारों तथा शरीर के कीमती कपड़ों के लिए कीचड़ जैसा रंग ही पसंद आता है। इसके अतिरिक्त कीचड़ का रंग श्रेष्ठ कलाकारों, मूर्तिकारों तथा चित्रकारों आदि को भी खुश करता है। इन्हें भट्ठी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग पसंद है। फ़ोटो में भी यदि ऐसे रंग का मिश्रण हो जाय तो अनुभवी और जानकार कलाकार खुश हो जाते हैं और उसे 'वार्मटोन' का नाम देते हैं।

2. कीचड़ सूखकर किस प्रकार के दृश्य उपस्थित करता है?

उत्तर नदी किनारे जब कीचड़ सूख जाता है तब उसके टुकड़े अत्यंत सुंदर दिखाई देते हैं। अधिक गरमी के कारण उन टुकड़ों में दरारें पड़ जाती हैं और वे टेढ़े हो जाते हैं। कीचड़ के ये टेढ़े टुकड़े सुखाए हुए खोपरे जैसे लगते हैं। नदी किनारे एक-सा फैला चिकना कीचड़ सुंदर दृश्य उपस्थित करता है। इसकी सतह के कुछ सूख जाने पर बगुले तथा अन्य पक्षियों के पदचिह्न भी कम लुभावने नहीं होते। अधिक सूख जाने पर ठोस हुए कीचड़ पर गाय, बैल, भैंस, पाड़े, भेड़, बकरी इत्यादि के पदचिह्न आकर्षक लगते हैं। इसी पर जब दो मदमस्त पाड़े लड़ते है तो ऐसा लगता है मानो इस पर महिषकुल का महाभारत अंकित हो गया हो।

3. सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है?

उत्तर सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य अधिकतर नदी के किनारे दिखाई देता है। नदी के किनारे दूर-दूर तक फैला कीचड़ कम आकर्षक नहीं होता। कीचड़ के सूख जाने पर उसके टुकड़े हो जाते हैं तब वे और भी सुंदर दिखाई देते हैं। जब अधिक गरमी से उन टुकड़ों में दरारें पड़ जाती है तथा वे टेढ़े हो जाते हैं तो वे सुखाए हुए खोपरे जैसे दिखाई देते हैं।

4. कवियों की धारणा को लेखक ने युक्तिशून्य क्यों कहा है?

उत्तर लेखक ने कवियों की धारणा को युक्ति शून्य कहा है क्योंकि वे बाहरी सुंदरता पर अधिक ध्यान देते हैं परंतु आंतरिक सुंदरता तथा उपयोगिता को भुला देते हैं। वे कमल को सम्मान देते हैं परंतु कीचड़ का तिरस्कार करते हैं। इस प्रकार वे केवल वाह्य सौंदर्य को ही महत्त्व देते हैं। सौंदर्य को उत्पन्न करने वाले तत्वों को उचित स्थान और सम्मान प्रदान करना कवियों की कल्पना से परे है।

भाषा-अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

जलाशय	.....	.....	.....
सिंधु	.....	.....	.....
पंकज	.....	.....	.....
पृथ्वी	.....	.....	.....
आकाश	.....	.....	.....

उत्तर

जलाशय	**सरोवर**	**तालाब**	**तड़ाग**
सिंधु	**समुद्र**	**सागर**	**रत्नाकर**
पंकज	**कमल**	**जलज**	**नीरज**
पृथ्वी	**भू**	**धरा**	**वसुंधरा**
आकाश	**व्योम**	**नभ**	**अंबर**

2. निम्नलिखित वाक्यों में कारकों को रेखांकित कर उनके नाम भी लिखिए–

(क) कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है। .....

(ख) क्या कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है। .....

(ग) हमारा अन्न कीचड़ से ही पैदा होता है। .....

(घ) पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं। .....

(ङ) आप वासुदेव की पूजा करते हैं। .....

उत्तर

(क) कीचड़ <u>का</u> नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है। **'का' संबंध कारक**

(ख) क्या कीचड़ <u>का</u> वर्णन कभी किसी <u>ने</u> किया है। **'का' संबंध कारक, 'ने' कर्ता कारक**

(ग) हमारा अन्न कीचड़ <u>से</u> ही पैदा होता है। **'से' करण कारक**

(घ) पदचिह्न उस <u>पर</u> अंकित होते हैं। **'पर' अधिकरण कारक**

(ङ) आप वासुदेव <u>की</u> पूजा करते हैं। **'की' संबंध कारक**

3. निम्नलिखित शब्दों की बनावट को ध्यान से देखिए और इनका पाठ से भिन्न किसी नए प्रसंग में वाक्य प्रयोग कीजिए–

आकर्षक	यथार्थ	तटस्थता	कलाभिज्ञ	पदचिह्न
अंकित	तृप्ति	सनातन	लुप्त	जाग्रत
घृणास्पद	युक्तिशून्य	वृत्ति		

उत्तर

आकर्षक – **समारोह की साज-सज्जा अत्यंत आकर्षक थी।**

यथार्थ – **जीवन के यथार्थ का सामना प्रत्येक व्यक्ति को करना ही पड़ता है।**

तटस्थता – द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत ने तटस्थता की नीति अपनाई।
कलाभिज्ञ – प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़े-बड़े कलाभिज्ञ उपस्थित हुए।
पदचिह्न – जंगल में भटकते सैनिकों को अचानक हाथी के पदचिह्न दिखाई दिए।
अंकित – देश के इतिहास में महात्मा गांधी का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है।
तृप्ति – भरपेट स्वादष्टि भोजन ने साधु को तृप्ति प्रदान की।
सनातन – 'अतिथि देवो भव' की संकल्पना हमारी सनातन परंपरा की पहचान है।
लुप्त – पक्षियों की अनेक प्रजातियाँ आज लुप्त होने के कगार पर हैं।
जाग्रत – स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतवासियों में एक नई चेतना जाग्रत हुई।
घृणास्पद – मेरे लिए उस घृणास्पद दृश्य को देख पाना असंभव था।
युक्तिशून्य – नेताओं की युक्तिशून्य मनोवृत्ति से किसी का भी कल्याण असंभव है।
वृत्ति – व्यक्ति की दूषित वृत्ति उसे पतन के गर्त में धकेल देती है।

4. नीचे दी गई संयुक्त क्रियाओं का प्रयोग करते हुए कोई अन्य वाक्य बनाइए–

(क) देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पूनी जैसे हो गए।
.....

(ख) कीचड़ देखना हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।
.....

(ग) हमारा अन्न कीचड़ में से ही पैदा होता है।
.....

उत्तर (क) देखते-देखते वहाँ घना अंधकार छा गया।
(ख) हमें जल्द-से-जल्द घर पहुँचना चाहिए।
(ग) संसाधनों के असमान वितरण से समाज में असंतोष पैदा होता है।

5. न, नहीं, मत का सही प्रयोग रिक्त स्थानों पर कीजिए-

(क) तुम घर ..... जाओ।
(ख) मोहन कल ..... आएगा।
(ग) उसे ..... जाने क्या हो गया है?
(घ) डाँटो ..... प्यार से कहो।
(ङ) मैं वहाँ कभी ..... जाऊँगा।
(च) ..... वह बोला ..... मैं।

उत्तर (क) तुम घर **मत** जाओ।
(ख) मोहन कल **नहीं** आएगा।
(ग) उसे **न** जाने क्या हो गया है?
(घ) डाँटो **मत** प्यार से कहो।
(ङ) मैं वहाँ कभी **नहीं** जाऊँगा।
(च) **न** वह बोला **न** मैं।